19-09-2022

एथेनॉल की फील्ड में अच्छा काम करने पर एनएसआई डायरेक्टर सम्मानित

पुणे में डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 67 वें वार्षिक सम्मेलन में सम्मान मिला

ट्रिब्यून

कानपुर। पुणे में डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 67 वें वार्षिक सम्मेलन नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय चीनी संस्थान को इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एस.एस.गंगावती, अध्यक्ष, डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट ने चीनी उद्योग को चीनी डायवर्जन के विभिन्न मॉडलों के बारे में लगातार शिक्षित करने के लिए नरेंद्र मोहन, निदेशक द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की, जिसके माध्यम से न केवल चीनी मांग-आपूर्ति संतुलन प्राप्त करना संभव है, बल्कि इथेनॉल सम्मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सका। उन्होंने कहा कि श्री मोहन द्वारा विकसित आत्मनिर्भर चीनी उद्योग मॉडल ने चीनी उद्योग को बेहतर आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए एक दृष्टिकोण दिया है।

National Sugar Institute director felicitated

PTI ■ KANPUR

Director, National Sugar Institute (NSI) Prof Narendra Mohan, was felicitated during the 67th Annual Convention of Deccan Sugar Technologists Association of India at Pune for his significant contribution in ethanol blending programme. President, Deccan Sugar Technologist, SS Gangawati, praised the efforts made by Prof Narendra Mohan consistently to sensitise the sugar industry and also to introduce various models of sugar diversion which will not only help the industry to attain sugar demand-supply balance but also to achieve ethanol blending targets. The 'Atmanirbhar Chini Udyog Model' had given a vision to sugar industry for attaining better economic and environmental sustainability.

Later addressing programmers at the NSI on Monday Prof Mohan said sugar industry is an agro-based industry which relies heavily on the production of sugarcane and sugar beet. He said these industries imparted significant contribution in the socio-economic development of the nations as these fulfilled one of the basic necessities of human survival. He added that sugar industries were often targeted for being polluter of environment, especially freshwater resources.

He said almost all major divisions in sugar manufacturing units such as mill house, processing plant, boilers, cooling towers etc. were responsible for waste generation and these wastes included suspended solids, waste water having depleted oxygen content, molasses, press mud, chemicals etc. He said Indian sugar industries were one of the major components of Indian economy and contributed significantly to the socio-economic development of the nation as well.

Prof Mohan said there were six major stages of manufacturing in sugarcane-based industries milling, clarification, concentration, separation, refining and recovery of sugar molasses. He said that effluent of sugar industries had complex characteristics having potential to contaminate freshwater resources if discharged inappropriately. Effluent from sugar industry was known to have high amount of BOD values.

He praised the Centre's revised ethanol blending programme for blending 20 per cent ethanol with petrol by 2025 and this means ethanol and petrol will be mixed in a 20:80 ratio and this category of blended transportation fuel would be called E20 petrol.

'Nurses vital part of | Boat club likely to be inaugurated in Novemb

डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 67 वें वार्षिक सम्मेलन में नरेंद्र मोहन सम्मानित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। पुणे में डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 67 वें वार्षिक सम्मेलन नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय चीनी संस्थान को इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। ।

एस.एस.गंगावती, अध्यक्ष, डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट ने चीनी उद्योग को चीनी डायवर्जन के विभिन्न मॉडलों के बारे में लगातार शिक्षित करने के लिए श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की, जिसके माध्यम से न केवल चीनी मांग-आपूर्ति संतुलन प्राप्त करना संभव है, बल्कि इथेनॉल सम्मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सका । उन्होंने कहा कि श्री मोहन द्वारा विकसित आत्मनिर्भर चीनी उद्योग मॉडल ने चीनी उद्योग को बेहतर आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए एक दृष्टिकोण दिया है।

NSI director felicitated

Kanpur: Director, National Sugar Institute, Professor Narendra Mohan was felicitated on Sunday evening during the 67th Annual Convention of Deccan Sugar Technologists Association of India at Pune for his significant contribution in ethanol blending programme. The event was held on Sunday evening.

President, Deccan Sugar Technologist, SS Gangawati praised the efforts made by Professor Mohan in consistently educating the sugar industry about various models of sugar diversion through which not only it is possible for attaining sugar demand-supply balance but also to achieving ethanol blending targets. TNN

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक को पुणे के कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।

कानपुर।आपको बता दें कि कल्यानपुर स्थित राष्ट्रीय सरकार संस्थान के निदेशक डॉ नरेंद्र मोहन को राष्ट्रीय चीनी संस्थान को इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में उनको सम्मानित किया गया। बताते चलें कि पुणे में डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 67 वे वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमें डॉ नरेंद्र मोहन को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बताते चलें की एस एस गंगावती अध्यक्ष डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट ने चीनी उद्योग को चीनी डायवर्जन के विभिन्न मॉडलों के बारे में लगातार शिक्षित करने के लिए डॉक्टर नरेंद्र मोहन के द्वारा किए जा रहे उनके प्रयासों की प्रशंसा करी, जिसके माध्यम से केवल चीनी मांग आपूर्ति संतुलन प्राप्त करना संभव है, बल्कि इथेनॉल सम्मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सका। उन्होंने कहा कि डॉ नरेंद्र मोहन द्वारा विकसित आत्मनिर्भर चीनी उद्योग मॉडल ने चीनी उद्योग को बेहतर आर्थिक और पर्यावरण स्थिरता प्राप्त करने के लिए एक दृष्टिकोण दिया है।